

## CBSE Class 10 English Poem Animals Summary

Animals summary in both english and hindi is available here. This article starts with a discussion about the author and then explains the chapter in short and detailed fashion. Ultimately, the article ends with some difficult words and their meanings.

### Animals – About the Author

Walt Whitman was an American poet, essayist and journalist. He was born on 31 May 1819 in New York. He died on 26 March 1892. 'Leaves of Grass' 'O Captain! My Captain!' and 'Song of Myself' are some of his great works. The present poem 'Animals' written in free verse, is one of the poems published in 'Leaves of Grass'.

### Short Summary of Animals

This article is about Animals summary. Walt Whitman is the poet of this poem. The poem Animals is from his work 'Song of Myself' in the Leaves of grass. In this poem, the poet Walt Whitman admires animals for being better than human beings. The poet wishes to live with animals and to experience a life where no one complains, and where everyone is free of sins and sorrows. The most important theme of the poem is not to admire how good animals are, but to compare humans with them in order to focus on the flaws of their nature. The poet believes that probably a very long time ago, humans possessed all the qualities such as calmness, the lack of greed and the ability to stay happy, but they have now lost them. So in this poem, Walt Whitman has given a pedagogic point before human beings.

### Summary of Animals in English

The poet here desires to turn into an animal and live with them as he is impressed by their calmness and the purity of their mind. Animals appear to be contented with their lives. The poet stands and looks at them for a long time.

The poet is quite impressed by the animals that they do not complaint and cry about their conditions like human. They eat and sleep they have nothing to worry about peacefully. The animals are pure and they do not pray to God for forgiveness or ask God to fulfil their desires like humans.

Animals do not possess material things like humans and they are happy and satisfied without all the worldly items. Animals are free from the habit of praying to their ancestors. When the poet says 'not one is respectable' he means that since all of them are equal, there is no question of respect for some and insult to other. Thus animals are happy and uncomplaining.

The poet feels that animals represent human beings in some way. This means that animals seem to have virtues, like kindness and innocence, which humans once had. They symbolise the lost values of human race. The poet believes that humans dropped these virtues a long time ago and have forgotten them.

## Summary of Animals in Hindi

कवि कहता है कि वह जानवरों की दुनिया में रहना चाहता है। यहाँ हम कह सकते हैं कि कवि जानवरों की दुनिया को इंसानों से बेहतर पाता है। वह आगे कहता है कि वह जानवरों को इंसानों से ज्यादा शांत पाता है। वह ऐसा इसलिए कहते हैं क्योंकि जानवर इंसानों की तरह सांसारिक चीजों के बाद नहीं चल रहे हैं। वे शांत हैं और उन्हें सांसारिक चीजों या किसी भी प्रकार की उपलब्धियों का कोई लालच नहीं है। वे स्वयं निहित हैं इसका मतलब है कि वे जीवन से खुश हैं और दूसरों के जीवन में कभी हस्तक्षेप नहीं करते हैं। मनुष्य को दूसरों के जीवन में हस्तक्षेप करने की आदत है। इसलिए, कवि सोचता है कि जानवरों को शांत रहने और दूसरों के मामलों में हस्तक्षेप न करने के लिए मनुष्य की तुलना में बेहतर है। कवि आगे कहता है कि यही कारण है कि वह अभी भी खड़ा है और बहुत लंबे समय तक जानवरों को देखता है।

कवि कहता है कि मनुष्यों के विपरीत, जानवर किसी दुख की शिकायत नहीं करते हैं। वे कभी नहीं रोते जैसे इंसान करते हैं, यह दिखाने के लिए कि उन्होंने क्या खोया है। वे रात में कभी भी जागते नहीं हैं, अपने गलत कामों के लिए पश्चाताप में रोते हैं। इसका मतलब यह है कि जानवर इंसानों से अलग होते हैं क्योंकि अगर उनके साथ कुछ गलत होता है तो वे गुस्सा या दुःख नहीं दिखाते हैं। वह आगे कहते हैं कि जानवर बहुत सच्चा होते हैं क्योंकि वे कभी भी भगवान के नाम पर किए गए अपने अच्छे कामों का घमंड नहीं करते हैं।

वह ऐसा इसलिए कहता है क्योंकि अधिकांश मनुष्य ऐसा करते हैं। वे दूसरों को उनके अच्छे कर्म और धार्मिकता दिखाने की कोशिश करते हैं। वे अपने साथियों के बीच लोकप्रियता हासिल करने के लिए ऐसा करते हैं। तो, कवि सोचता है कि जानवर कभी भी अपने साथी लोगों से कुछ प्रशंसा पाने के लिए इस तरह की चीजें करके उसे परेशान नहीं करते हैं। उसे लगता है कि जानवर इंसानों की तरह असंतुष्ट नहीं हैं। उनके पास जो कुछ भी है, उससे खुश रहते हैं। वे कभी भी सांसारिक चीजों के पीछे नहीं भागते। वे कभी आराम या विलासिता की चीजों के अधिकारी नहीं होते। वह कहता है कि उनमें से कोई भी सांसारिक चीजों के मालिक होने के पीछे पागल है।

यहाँ कवि कहता है कि उसने कभी किसी जानवर को व्यक्ति के सामने झुककर अपनी भक्ति नहीं दिखाई है। वे अपने पूर्वजों के लिए भी ऐसा कभी नहीं करते हैं। वे भगवान के प्रति भक्ति नहीं दिखाते जैसे मनुष्य करते हैं। उनमें से कोई भी अधिक सम्मानजनक या महत्वपूर्ण नहीं है जैसा कि मानव समाज में है। मनुष्यों में, अमीर लोगों को आम तौर पर अधिक महत्व दिया जाता है और गरीबों की तुलना में अधिक सम्मान के साथ व्यवहार किया जाता है।

लेकिन जानवरों के समाज में, वे ऐसा कभी नहीं करते हैं। वे कभी भी किसी अन्य जानवर को अधिक या कम महत्व नहीं देते हैं। जानवर की दुनिया में हर कोई खुश है। वे इंसानों की तरह नहीं हैं जो खुद को पृथ्वी पर

सबसे खुश या दुखी व्यक्ति पाते हैं। आगे कवि कहता है कि जानवर अन्य जानवरों के साथ अपने संबंधों को दिखाने में अधिक ईमानदार हैं। यहां वह कहना चाहता है कि जानवर दूसरे जानवरों को अपने भोजन के रूप में इस्तेमाल करते हैं और वे कभी भी इसे छिपाने की कोशिश नहीं करते हैं। जबकि इंसान दिखाते हैं कि उनके दूसरों के साथ अच्छे और दोस्ताना रिश्ते हैं, हालाँकि वास्तविकता इसके विपरीत है। कवि कहता है कि वह इस तथ्य को स्वीकार करता है कि जानवर दूसरे जानवरों के साथ अपने संबंध दिखाने के प्रति सच्चे हैं।

तो आखिर में कवि खुद को आत्मनिरीक्षण करता है और कहता है कि जहाँ से जानवरों को वे अच्छे गुण मिले हैं। वह आगे खुद से सवाल करता है कि उसके अपने अच्छे गुण कहां चले गए हैं? क्या उसने उन्हें छोड़ दिया या लापरवाही से उन्हें कहीं खो दिया। अतीत में मनुष्यों में जो गुण पाए जाते थे, जैसे मासूमियत, दया, सच्चाई अब जानवरों में देखी जाती है। वह आश्चर्य करता है कि मनुष्यों ने इन गुणों को छोड़ दिया और उन्हें जानवरों को सौंप दिया गया।